

#01

जिम्मेदार वागारिक





सुशील पिछले कई सालों से एक खाली पड़ी सरकारी ज़मीन पर खेती करके अपना घर चलाता था



अरे भाई सुशील अब तो तुम्हारे परिवार को खेती और गुजारा करने के लिए ज़मीन मिल गई है। अब तो पुरानी ज़मीन सरकार को वापस कर दो। कहीं उसको हड़पने का इशदा तो नहीं है???

एक दिन अचानक



मैंने कहाँ किसी की ज़मीन को हड़पा है? मैं तो बस घर चलाने के लिए उस ज़मीन पर सालों से खेती कर रहा था। मैं ज़मीन जरूर लौटा दूँगा!



सुशील खेती में लगी अपनी मेहनत के बारे में सोचता है

पर इस बार भी उस ज़मीन पर मेरी बहुत सारी मेहनत और पैसे लगे हुए हैं, मैं इस बार की उपज होते ही ज़मीन वापस कर दूँगा।





पड़ोसी झल्लाते हुए

नहीं, मुझे तुम्हारी नियत ठीक नहीं लग रही!!!



पड़ोसी से बढ़ती बहस से सुशील परेशान हो जाता है, पर अचानक उसे अपने मित्र जुनैद की याद आयी। जुनैद टेली-लॉ सेवा में न्याय सहायक के रूप में कार्य करते हैं।



कुछ समय बाद सुशील पास की दुकान के बाहर जुनैद से मिलते हैं और अपनी परेशानी बताते हैं!

मुझे डर है कि कहीं कोई मेरी शिकयत ना कर दे और सरकार फसल के साथ ही ज़मीन वापस ना मांग ले।



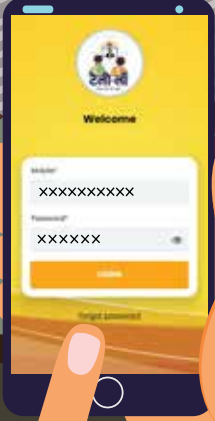
न्याय सहायक हीसला देते हुए

हैं इस मुद्दे को गंभीरता से लेने की जरूरत तो है। मैं आपका रजिस्ट्रेशन टेली-लॉ में कर देता हूँ। आप वहां वकील से बात करके निःशुल्क सलाह प्राप्त कर सकते हो।





मोबाइल एप से रजिस्ट्रेशन करते हुये!



सुशील जी कानूनी तौर पर देखा जाये तो आपकी माँ को सरकार की तरफ से नई ज़मीन मिल गयी है, आपको जल्द से जल्द पुरानी ज़मीन को लौटा देना चाहिए।

वकील से मोबाइल ऐप के माध्यम से सलाह लेते हुये!

रही फसल की कटाई के लिए कुछ समय के मोहलत की बात तो मैं आपको एक सलाह देता हूँ, आप जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर को एक प्रार्थना पत्र लिखे और उसमे अपनी पूरी बात को विस्तार से लिख कर ज़मीन को लौटाने के लिए थोडा समय मांग सकते है।



हाँ मैं यह प्रार्थना पत्र जल्द से जल्द लिखता हूँ।





न्याय सहायक की मदद से मैंने टेली-लॉ सेवा में अपना केस पंजीकृत किया और वकील द्वारा दी गयी सलाह के अनुसार जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर को एक प्रार्थना पत्र लिखा, जिसे दोनों ने स्वीकार कर लिया और मेरे पक्ष में फैसला दिया। मैंने खेती की फसल को काटने के बाद समय से ज़मीन को लौटा भी दिया। एक आम किसान की इस मुसीबत को दूर करने में टेली-लॉ सेवा से मिली मदद का मैं बहुत आभारी हूँ।

